No. of Printed Pages : 4

NES-101

CERTIFICATE IN GUIDANCE (CIG)

03413

Term-End Examination

December, 2018

NES-101 : UNDERSTANDING THE ELEMENTARY SCHOOL CHILD

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 1000 words :

"Guidance is a continuous process aimed at promoting holistic development of an individual." In the light of the above statement, discuss the various aims of a guidance programme.

OR

Discuss the interrelationship of socio-emotional and moral development in children. Explain the role of teachers and parents in promoting a balanced socio-emotional and moral development in children.

2. Answer the following question in about 1000 words :

What are the various guidance services that constitute a complete guidance programme ? Explain their specific functions.

OR

What are the various social and emotional problems of children ? How can the teachers and parents help children cope with these problems ?

3. Answer any ***four*** of the following questions in about 250 words each :

(a) Discuss the various principles of development.

(b) How can parents foster growth and development in children ?

(c) What do you understand by cognitive development ?

(d) Explain the different ways in which a teacher can address the individual differences in a classroom.

(e) Discuss the various factors that influence the development of a child.

(f) Explain the role of various nutrients in the normal growth and development of children.

मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र (सी.आई.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

एन.ई.एस.-101 : प्राथमिक विद्यालय का बालक – एक अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :

"मार्गदर्शन एक सतत् प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है ।" उपर्युक्त कथन के आलोक में मार्गदर्शन कार्यक्रम के विभिन्न उद्देश्यों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

बच्चों में सामाजिक-संवेगात्मक और नैतिक विकास के अंतःसंबंध की चर्चा कीजिए । बच्चों में संतुलित सामाजिक-संवेगात्मक और नैतिक विकास को बढ़ावा देने में अध्यापकों और माता-पिता की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :

कौन-सी विभिन्न मार्गदर्शन सेवाओं को एक साथ मिलाकर मार्गदर्शन कार्यक्रम बनता है ? इन सेवाओं के विशिष्ट कार्य बताइए ।

अथवा

बच्चों की कौन-सी विभिन्न सामाजिक और संवेगात्मक समस्याएँ हैं ? बच्चों को इन समस्याओं से निपटने में शिक्षक और माता-पिता उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) विकास के विभिन्न सिद्धांतों की चर्चा कीजिए ।

(ख) बच्चों की संवृद्धि और विकास को माता-पिता किस प्रकार बढ़ावा दे सकते हैं ?

(ग) संज्ञानात्मक विकास से आप क्या समझते हैं ?

(घ) उन विभिन्न तरीकों की व्याख्या कीजिए जिनके द्वारा एक अध्यापक कक्षा में व्यक्तिगत भिन्नताओं का सामना कर सकता है ।

(ङ) बच्चे के विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए ।

(च) बच्चों की सामान्य संवृद्धि और विकास में विभिन्न पोषक-तत्त्वों की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।